



15

tUrq kkyk

प्रिय शिक्षार्थी, पिछले पाठ में आपने आपसी संस्कृत भाषा में आपसी वार्तालाप करते हुए पर्यटन के विषय में सीखा। इस पाठ में आप जन्तुशाला के विषय में पढ़ेगे। जन्तुशाला को प्राणी उपवन भी कहते हैं। यहाँ पर जीवित पशु—पक्षियों को बहुत बड़ी मात्रा में संरक्षित रखा जाता है। यहाँ पर उनके प्रजनन और चिकित्सा आदि की भी समुचित व्यवस्था होती है।



mIs ;

यह पाठ पढ़ने के बाद आप सक्षम होंगे:

- संस्कृत भाषा के वाक्य का ज्ञान प्राप्त कर पाने में;
- जन्तुशाला के विषय में जान पाने में; और
- जन्तुशाला के जीवों का नाम संस्कृत भाषा में जान पाने में।

d{kk & V

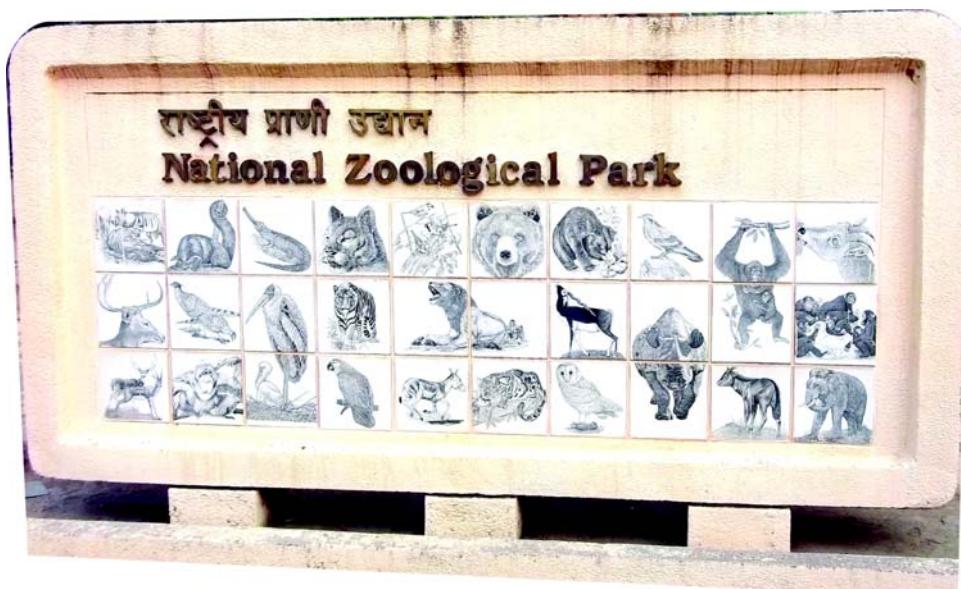


fVi .kh

15.1 tUrqkkyk

jke% jgeku% g% Roa d= vxPNr\

रहमान तुम कल कहाँ से आये थे ?



jgeku%vga tUrqkkyka n~Vp~vxPNeA

मैं जन्तुशाला गया था।

jke% dsu l g Roa r= vxPNr\

तुम वहाँ किसके साथ गये थे ?

jgeku%vga ekgu su l g r= vxPNeA

मैं वहाँ मोहन के साथ गया था।

tUrqkkyk

d{kk & V

jke% fdarо Hkfxuh vfi Ro;k l g r= vxPNrA

क्या तुम्हारी बहन भी तुम्हारे साथ वहाँ गयी थी ।



jgeku%vkeA ee Hkfxuh vfi e;k l g r= vxPNrA

हाँ, मेरी बहन भी मेरे साथ वहाँ गयी थी ।

jke% ; wadu ; kuu vxPNrA

तुम सब किस यान से वहाँ गये ।

jgeku%o;aekVj ; kuu r= vxPNkeA

हम सब वहाँ बस से गये ।

jke% ; w a tUrqkkyk; kafde~vi'; rA

आप सबने जन्मशाला में क्या देखा ।

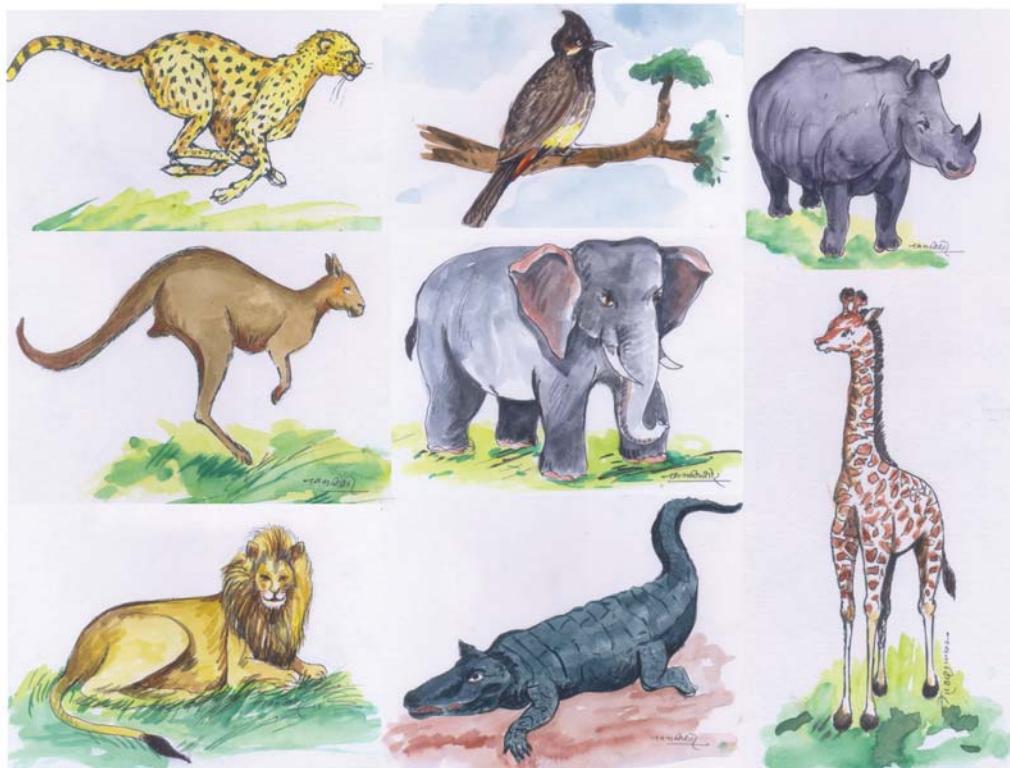
jgeku%o; ar= nsk&fonshukavudku-i 'ku-[kxku-p vi'; keA
tUrqkkyk; kafI gk% xtk% exk% tyfgLru% HkYydkn;%
i 'ko% vkl u~ A r= ,dk fI gh vfi vkl hrA rL; k%
'kodk%r= vOIMuA r= rMkxso; aedjku~vfi vi'; keA
tUrqkkyk; lacgo%okujk%vfi vkl uA rso{k. kka'kk[kkl q
vdmluA

d{kk & V



Mli .kh

हमने वहाँ देश विदेश के अनेक पशुओं तथा पक्षियों को देखा जन्तुशाला में हाथी, हिरण, हिप्पोपोटेमस, भालु अदि जानवर थे। वहाँ पर एक शेरनी भी थी। उसके बच्चे वहाँ खेल रहे थे। वहाँ तालाब में हमने मगरमच्छ भी देखे। जन्तुशाला में बहुत से वानर भी थे। वे पेड़ों की शाखाओं पर कूद रहे थे।



jke% rRi 'pkr~ ; wafde~vdq r\

उसके पश्चात आपने क्या किया?

jgeku%rnk o; a l o\\$ vfrJkUrkA o; a t y i k u x g e ~ v x P N k e }
 r= p o; a 'k h r y i \\$ e ~ v f i c k e A rr~ i 'p k r ~ o; a
 ek\j&; k u s u L o x g a i R; k x P N k e A



उसके बाद हम सभी बहुत थक गये थे। हम जलपान गृह में आये, और वहाँ हमने ठंडा पेय पिया। उसके बाद बस यान से अपने घर को आ गये।





ikBxr izu& 15-1

1. नीचे दिये गये रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

- (i) रहमानः! हयः त्वम् कुत्र ?
- (ii) अहं सह तत्र अगच्छम्।
- (iii) वयं मोटर यानेन तत्र |
- (iv) वयं तत्र देश—विदेशानां अनेकान् च अपश्याम।
- (v) वयं अगच्छाम, तत्र च वयं शीतलपेयम् अपिबाम।



vki us D; k | h[kk\

- नवीन संस्कृत शब्दों का प्रयोग।
- जन्तुशाला के विभिन्न जानवरों व पक्षियों का विवरण।



ikBkr izu

1. निम्न संस्कृत शब्दों का उच्चारण करते हुए वाक्यों में प्रयोग कीजिए —

अगच्छः, जन्तुशाला, भगिनि, मोटरयानेन, पशून, खगाः, सिंह, मृगाः, जलहिस्तनः, वानराः, जलपानम्, शीतलपेयम् आदि।

2. जन्तुशाला के विषय में संस्कृत में अपने शब्दों में लिखिए।



15.1

- (i) अगच्छतः
- (ii) मोहनेन
- (iii) अगच्छाम
- (iv) पशून् खगान्
- (v) जलपानगृहम्

d{kk & V



15.1.k